REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 10 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2021

मध्यप्रदेश के स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्ति सर्वेक्षणात्मक अध्ययन

Dr. Umesh Singh Kushwah[1] and Prof. Hemant Sharma[2]
[1]Librarian, Virangana Rani Avanti Bai Govt. College Khairlanji, Balaghat Madhya Pradesh, India.
[2]Head and Chairman, SOS Library Information Science, Jiwaji University, Gwalior Madhya Pradesh, India.

मध्यप्रदेश में नर्सिंग महाविद्यालयों के माध्यम से लोगों को एक सभ्य एवं सामाजिक समाज सेवक अर्थात ऐसे व्यक्तियों को तैयार किया जाता है जो समाज एवं विश्व समुदाय में फैली अनेक बीमारियों से ग्रस्त रोगी को अपनी सेवा से स्वस्थ्य जीवन दे सकें। अत: इन महाविद्यालयो में अध्ययन के पश्चात ये छात्र—छात्राऐं भविष्य में नर्स बनकर देश — विदेश के विभिन्न सामाजिक वर्गों को बिना भेदभाव किये एक स्वस्थ्य जीवन प्रदान करते हैं।

नर्सिंग सेवा भाव से जुड़ा एक ऐसा पेशा है जिसके लिए एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, जेनेटिक्स, बायोकेमिस्ट्रीशन, न्यूट्रिशन और साइकोलॉजी जैसे हेल्थ साइंस से जुड़े विषयों की बुनियादी जानकारी जरूरी होती है। बी.एस.सी., एम.एस.सी. और पी.एच.डी. करने के साथ नर्सिंग उन लोगों के लिए एक रोमांचक व अर्थप्रद विकल्प हो सकता है जो नर्सिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में मध्यप्रदेश के जिन स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों को इस अध्ययन एवं अनुसंधान का विषय बनाया गया है। वे विषय विशेषज्ञ भी हैं और साथ ही शैक्षणिक नर्सिंग वैज्ञानिक हैं, क्योंकि इन शिक्षकों की विशिष्ट योग्यता है और सम्बन्धित विषय में इन नर्सिंग शिक्षकों ने उच्च कोटि की उपाधि भी अर्जित की है। जो नर्सिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

मनुष्य एक चैतन्य प्राणी है। मनुष्य के मस्तिष्क में समय—समय पर भिन्न—भिन्न के प्रकार विचार आते रहते हैं। मनुष्य के मस्तिष्क में उत्पन्न इन्हीं विचारों को सूचना की संज्ञा प्रदान की जाती है। अँग्रेजी का इन्फॉरमेशन शब्द जिसका हिन्दी अनुवाद सूचना होता है, फॉर्मेटिया अथवा फॉर्मा शब्द से निर्मित हुआ है। दोनों ही शब्द किसी वस्तु को आकार एवं स्वरूप प्रदान करने के आशय को व्यक्त करते हैं। सूचना शब्द को परिभाषित करने के लिए समय—समय पर अनेक परिपेक्ष्यों में प्रयत्न किये गये हैं। परन्तु इन प्रयत्नों से अस्पष्ट और अपूर्ण पाये गये हैं। एक विषय वस्तु अथवा उल्लेखित संदेश अथवा मौलिक संप्रेषण या वार्तालाप को सूचना कहते हैं।

पुस्तकालय में उपयोगकर्ता अपनी वांछित सामग्री खोजने के लिये आते हैं, उन्हें वह सूचना मिलती है कि नहीं? वे पुस्तकालय की सूचना सामग्री एवं प्रदत्त सेवाओ से संतुष्ट हैं कि नहीं? ये प्रश्न मेरे मन में कई वर्षों से गूंज रहे हैं, इसी वजह से मैं इस शोध कार्य को करने के लिये प्रेरित हुआ। विशेषज्ञों को निरंतर अध्ययन—अध्यापन एवं शोध हेतु विभिन्न प्रकार की सूचना की आवश्यकता होती है।

इनके सूचना खोजने की प्रवृति कैसी है? किस प्रकार अपने वांछित सूचना प्राप्त करते हैं? इन्टरनेट से माध्यम से या प्रलेखीय स्त्रोतों से आदि का गहन एवं विस्तृत अध्ययन ही इस शोध विषय का आधार है। मध्यप्रदेश के स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्ति पर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं किया गया है। अत: यह शोध कार्य मौलिक है।

प्रस्तुत शोध कार्य के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं।

१. नर्सिंग शिक्षकों की विभिन्न प्रकार की सूचना आवश्यकताओं का पता लगाना।
२. नर्सिंग शिक्षको द्वारा ग्रंथालय के उपयोग करने कि प्रवृतियों का अध्ययन करना।
३. नर्सिंग शिक्षक अपनी सूचना प्राप्ति के लिये ऑपचारिक सूचना स्त्रोत तथा अनौपचारिक सूचना स्त्रोतों पर किस सीमा तक निर्भर रहता है इसकी जानकारी प्राप्त करना।
४. स्नातकोत्तर नर्सिंग सस्थानों द्वारा आयोजित ग्रंथालय सेवाओ को ज्ञात करना तथा इन संस्थानों के पास उपलब्ध सीमित संसाधनों से ग्रंथालयों को समुन्त बनाने के लिए सुझाव प्रदान करना।
५. वरिष्ठ नर्सिंग शिक्षक एवं कनिष्ठ नर्सिंग शिक्षक की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृति का अध्ययन करना।

''मध्यप्रदेश के स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविधालयों के शिक्षकों की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्ति : एक अध्ययन'' को स्पष्ट करने के लिए मध्यप्रदेश के अंतर्गत आने वाले उन नर्सिंग शिक्षकों का चयन किया है, जो मध्यप्रदेश में स्थित स्नातकोत्तर नर्सिंग संस्थानो में कार्यरत हैं इस अध्ययन में वही स्नातकोत्तर नर्सिंग कॉलेज लिए गए हैं जो इंडियन नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त हैं। जहाँ नर्सिंग में उच्च स्तरीय अध्यापन कार्य सम्पन्न किया जा रहा है अध्यापन कि दृष्टि से नर्सिंग में विशिष्टकरण के अनेक क्षेत्र हैं। नर्सिंग के विशिष्टीकरण के क्षेत्र क्रमश: मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, मेंटल हैल्थ (साइकेट्रिक) नर्सिंग, चाइल्ड हैल्थ (पिडियाट्रिक) नर्सिंग, कम्युनिटि हैल्थ नर्सिंग, प्रसूति स्वास्थ्य नर्सिंग हैं।

नर्सिंग के सभी विषय आधुनिक परिपेक्ष्य में अनुसंधान की दृष्टि से दिन प्रतिदिन काफी विकसित हो रहे हैं। नर्सिंग कि उपयोगिता एवं समस्याओं के समाधान तथा सक्रिय अनुसंधानों के परिणाम स्वरूप विशाल ज्ञान की उत्पत्ति हुई है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के नर्सिंग शिक्षकों को किस प्रकार नर्सिंग सूचना की आवश्यकता छात्रों को प्रदान करने के लिए पड़ती है इस प्रकार की सूचना की पूर्ति नर्सिंग शिक्षक ग्रथालयों एवं अन्य साधनों से किन किन विधियों द्वारा करते हैं, यह अध्ययन का प्रमुख विषय है। पुस्तकालय में उपयोगकर्ता अपनी वांछित सामग्री खोजने के लिये आते हैं, उन्हें वह सूचना मिलती है कि नहीं? वे पुस्तकालय की सूचना सामग्री एवं प्रदत्त सेवाओ से संतुष्ट हैं कि नहीं? ये प्रश्न मेरे मन में कई वर्षो से गूंज रहे हैं, इसी वजह से मैं इस शोध कार्य को करने के लिये प्रेरित हुआ। विशेषज्ञों को निरंतर अध्ययन–अध्यापन एवं शोध हेतु विभिन्न प्रकार की सूचना की आवश्यकता होती है। इनके सूचना खोजने की प्रवृत्ति कैसी है? किस प्रकार अपने वांछित सूचना प्राप्त करते हैं? इन्टरनेट के माध्यम से या प्रलेखीय स्त्रोतों से आदि का गहन एवं विस्तृत अध्ययन ही इस शोध विषय का आधार है। मध्यप्रदेश के स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालयों में अनेक प्रकार की सूचना सेवाओं के आयोजन की व्यवस्था की गई है तथा दिन प्रतिदिन अनुसंधानरत शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं की सूचना सेवाओं तथा आवश्यकताओं की आपूर्ति के दौरान यह अनुभव किया गया कि यदि नर्सिंग शिक्षको की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्तियों का विशलेषण किया जाये जिससे नर्सिंग संस्थानों की सूचना सेवा व्यवस्था एवं प्रवृत्तियों का आयोजन एवं अनुसरणों का अध्यापन किया जा सके, जिससे नर्सिंग महाविद्यालयों को वांछित सामग्री प्राप्त करने की विधियों एवं उनकी सूचना आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए उपयुक्त प्रयास किये जा सकें।

शोध अध्ययन में मध्यप्रदेश के केवल उन्हीं स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों को निदर्शन स्वरूप लिया गया है जो इण्डियन नर्सिंग कॉउन्सलिंग से मान्यता प्राप्त है। अध्ययन में सुविधा की दृष्टि से यदा कदा सहायक प्रोफेसर, सह–प्राफेसर एवं प्रोफेसर को नर्सिंग अध्ययन में लिया गया है।

सूचना आवश्यकता के लिए नर्सिंग शिक्षक ग्रंथालयीन संसाधन तथा सेवाओ का किस सीमा तक पूर्ति करते हैं। वे किन माध्यमो से अपनी सूचना आवश्यकता सूचना प्राप्त करने हेतु अपनाते है। इन्ही सबकी जानकारी को प्रश्नावली के माध्यम से जानने का प्रयास प्रस्तुत अध्ययन में किया गया है। प्रश्नावाली के माध्यम से सहायक प्रोफेसर , सह–प्रोफेसर एवं प्रोफेसर से प्राप्त प्रत्युत्तरो को अध्ययन के विभिन्न परिपेक्ष्यानुसार वर्गीकृत कर पृथक–पृथक तालिको में संगठित किया गया है।

सूचना अर्जन के स्त्रोत

सूचनाओ से भिन्न स्त्रातो के माध्यम से स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों अपनी आवश्यकतानुसार संग्रहित करते हैं इस संदर्भ में विभिन्न उपभोक्तागण से यह जानने का प्रयास किया गया है कि सूचना अर्जन किस प्रकार से करते है। इसे प्रश्नावली के माध्यम से उत्तरदाताओ द्वारा प्राप्त तथ्यो को वर्गीकृत एवं व्यवस्थित कर तालिका क्र. १.१ तथा चित्र क्र. १.१ में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक १.१ सूचना अर्जन के स्त्रोत

स. क्र.	अर्जन स्त्रोत	सहायक प्रोफेसर	%	सह प्रोफेसर	%	प्रोफेसर	%	योग	%
1	व्यक्तिगत संग्रह	56	39.4 %	7	41%	10	40%	73	40%
2	केन्द्रीय ग्रंथालय	27	19.0 %	7	41%	5	20%	39	21.1 %
3	विभागीय ग्रंथालय	47	33%	3	18%	9	36%	59	32%
4	खरीदकर	9	6.3%	-	-	1	4%	10	5.4%
5	सहयोगी	2	1.4%	-	-	-	-	2	1%
6	नि:शुल्क/दान में प्राप्त	1	0.7%	-	-	-	-	1	0.5%
	योग	142	100%	17	100 %	25	100 %	184	100%

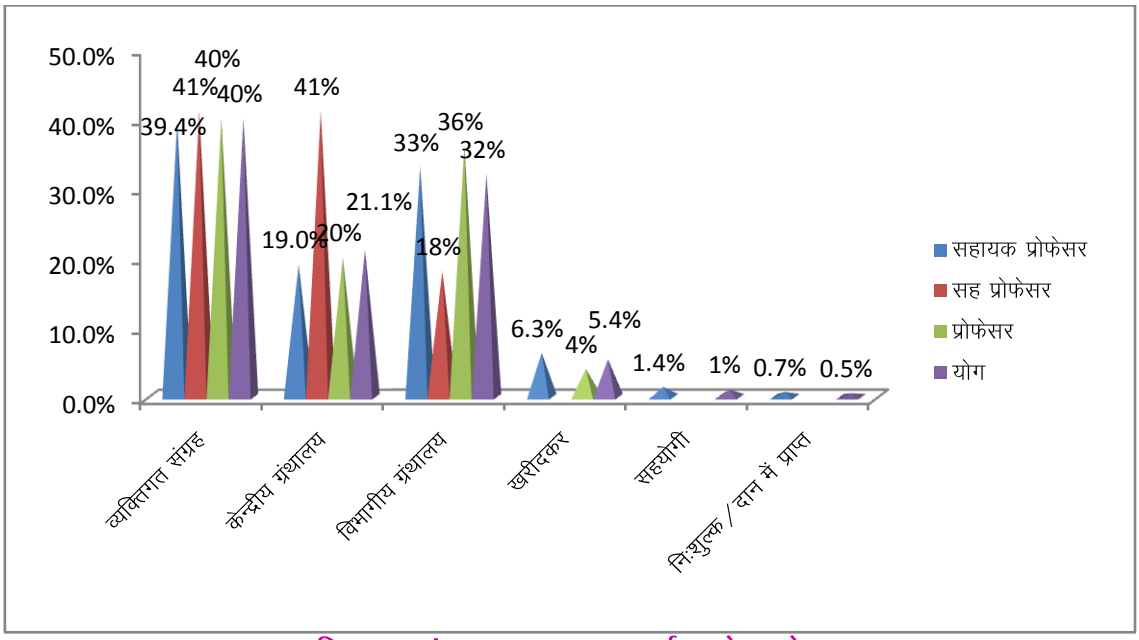

चित्र क्रमांक 1.1 सूचना अर्जन के स्त्रोत

तलिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि सभी प्रतिभागी उपभोक्ताओ में से सर्वाधिक ४०% व्यक्तिगत संग्रह स्थित स्त्रोतो पर आश्रित है। जबकि ३२% विभागीय ग्रंथालय, २१.१% केन्द्रीय ग्रंथालय, ५.४% सहयोगियों सूचना स्त्रोतो पर निर्भर रहते है। प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर वर्ग अंतर्गत सूचना अर्जन संबंधी डेटा तालिका से पृथक—पृथक प्रकरण अनुसार देखा जा सकता है। जहां ४१% सह. प्रोफेसर व्यक्तिगत संग्रह और केन्द्रीय ग्रंथालय १२% विभागीय ग्रंथालय पर अपनी आवश्यकता की पूर्ति हेतु निर्भर रहते है।

सहायक प्रोफेसर एवं प्रोफेसर संवर्ग में सूचना अर्जन संबंधी स्त्रोत कमोवेश एक जैसे प्रतीत होते है। ये व्यक्तिगत संग्रह, केन्द्रीय ग्रंथालय, विभागीय ग्रंथालय पर ज्यादा निभर रहते हैं सह. प्रोफेसर वर्ग के उपभोक्ता व्यक्तिगत, केन्द्रीय, विभागीय पर ज्यादा आश्रित होने के साथ सूचना प्राप्ति हेतु आश्रित रहते है।

तालिका को तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट है कि स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षको को सूचना अर्जन स्त्रोत लगभग समान है।

सूचना उपयोग पैटर्न

तलिका क्र. **१.२** तथा चित्र क्र. **१.२** में स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों की सूचना का उपयोग किस प्रकार करते हैं। किस प्रकार कि सूचना का उपयोग करते हैं, इसे प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त उत्तरदाताओं के तथ्यो को वर्गीकृत एवं संगठित कर तथ्यो को जानने का प्रयास किया गया है। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि समस्त उपयोक्ताओं में से ७३.३% सामाजिक, १८.४% पाठ्क्रम संबंधी, ४.८% तथ्यात्मक, ३% अवधारणात्मक एवं ०.५% संस्थागत सूचनाओ का उपयोग करते हैं। तालिका के प्रत्येक उपयोक्ता वर्ग की वर्गवार सूचना उपयोग संबंधी प्रवति का अलग—अलग अवलोकन किया जा सकता है। सहायक प्रोफेसर वर्ग के ६९% सामाजिक, २२.५% पाठ्य, ५.६% तथ्य, एवं २.१% अवधारण ०.७४% संस्थान सूचना उपयोग करते हैं जबकि सह. प्रोफेसर ८२% समाजिक, ६% पाठ्य, तथ्य एवं अवधारणा सूचना उपयोग करते हैं, प्रोफेसर वर्ग के अंतर्गत ९२% सामाजिक, ४% पाठ्य, एवं अवधारण सूचना का उपयोग करते है।

उक्त तालिका के अवलोकन के तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रोफेसर वर्ग में ९२% सर्वाधिक समायिक सूचना उपयोग करते हैं जबकि सहायक प्रोफेसर ६९% करते हैं अनुदर्शनात्मक सूचना का उपयोग कोई वर्ग नहीं करता है जबकि सबसे कम ०.७% संस्थात्मक सूचना का उपयोग सहायक प्रोफेसर करते हैं तुलनात्मक रूप से स्पष्ट होता है कि प्रोफेसर वर्ग सहा. प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर की तुलना में सूचना उपयोग पैर्टन का ज्यादा अधिक उपयोग करते हैं।

तालिका क्रमांक १.२ सूचना उपयोग पैटर्न

स. क्र.	सूचना उपयोग	सहायक प्रोफेसर	%	सह प्रोफेसर	%	प्रोफेसर	%	योग	%
1	समायिक सूचना	98	69%	14	82%	23	92%	135	73%
2	पाठ्यक्रम संबंधी सूचना	32	22%	1	6%	1	4%	34	18%
3	अवधारणात्मक सूचना	3	2%	1	6%	1	4%	5	3%
4	तथ्यात्मक सूचना	8	6%	1	6%	-	-	9	5%
5	संस्थागत सूचना	1	1%	-	-	-	-	1	1%
6	अनुदर्शनात्मक सूचना	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	142	100 %	17	100 %	25	100 %	184	100 %

चित्र क्रमांक १.२ सूचना उपयोग पैटर्न

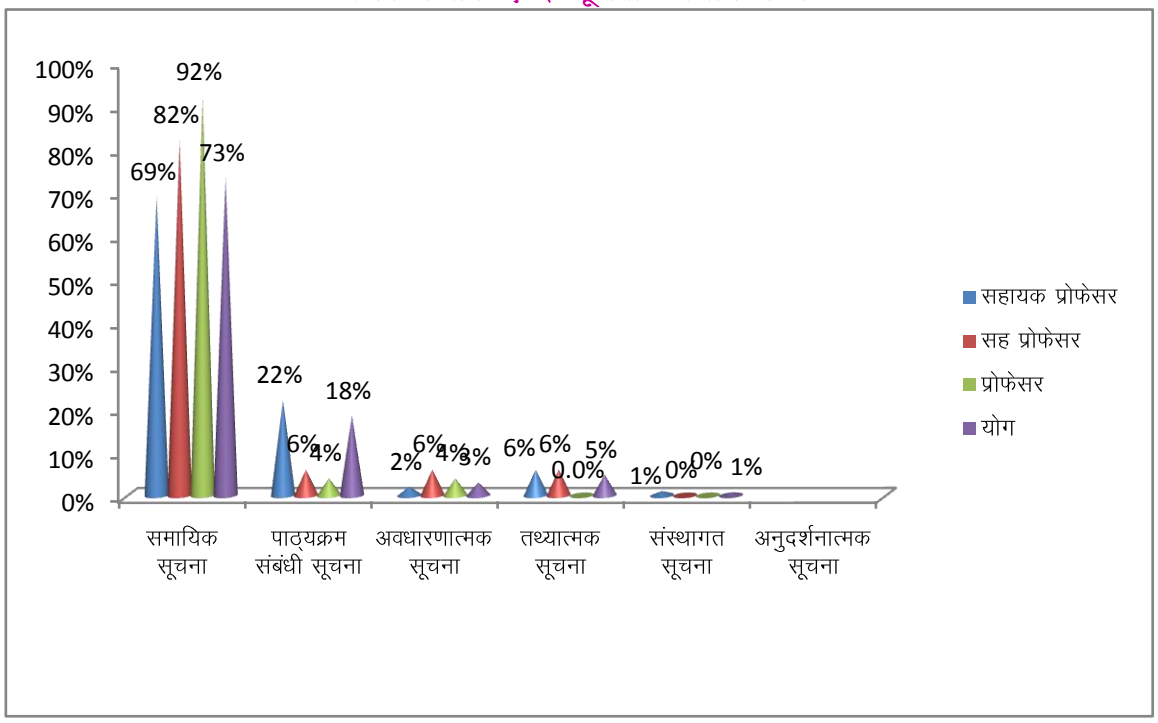

सूचना खोजने के माध्यम

स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालय के शिक्षको अपनी सूचनाओ किन—किन माध्यमो से प्राप्त करते हैं इसका प्रयास प्रश्नावली से प्राप्त उत्तरदाताओ के प्रत्युत्तरो को वर्गावार तथ्यो के आधार पर वर्गीगृत कर सारणीवद्ध किया गया है। तालिका क्र. **१.३** से स्पष्ट होता है कि समस्त उपयोक्ताओ में से ८२.६% पाठ्यपुस्तकें ७६% जर्नल्स, ५९.२% समाचार पत्र, ४७.८% थीसस प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ४३.४% शब्दकोष, ३६.४% इंसाक्लोपिडिया, ३४.७% हैण्डबुक, २३.३% बिब्लियोग्राफिक सेवा आदि के माध्यम से अपनी वांछित सूचनाओ को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है प्रोफेसर संवर्ग के ८०% उपयोक्ता पाठ्यपुस्तक, ७२% जर्नल्स, ६४% समाचार पत्र, ४४% थीसिस प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि स्त्रोतो पर सूचना प्राप्ति हेतु निर्भर रहते है। यही प्रवृति सहायक प्रोफेसर एवं सह. प्रोफेसर संवर्ग में भी अंशत: कम अथवा ज्यादा

तालिकानुसार दृष्टिगत होती है। इससे स्पष्ट होता है स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक डायरेक्ट्री, मैनुअल, विवलोग्राफिक आदि माध्यमो पर कम निर्भर रहते है।

तालिका क्रमांक १.३ सूचना खोजने के माध्यम

सं. क्र.	सूचना प्राप्त माध्यम	सहायक प्रोफेसर (१४२)	%	सह प्रोफेसर (१७)	%	प्रोफसेर (२५)	%	योग (१८४)	%
1	पाठ्य पुस्तकें	118	83.0%	14	82.3%	20	80.0%	152	82.6%
2	जर्नल्स	109	76.7%	13	76.4%	18	72.0%	140	76.0%
3	मेनुअल	24	13.0%	7	41.4%	5	20.0%	36	19.5%
4	डारेक्टरी	25	17.6%	-	-	3	12.0%	28	15.2%
5	समाचार पत्र	81	57.0%	12	70.5%	16	64.0%	109	59.2%
6	शब्दकोष	56	39.4%	9	52.9%	15	60.0%	80	43.4%
7	इनसाइक्लोपीडिया	55	38.7%	5	29.4%	7	28.0%	67	36.4%
8	हेन्डबुक	49	34.5%	6	35.2%	9	36.0%	64	34.7%
9	विवलियोग्राफिक	31	21.8%	5	29.4%	7	28.0%	43	23.3%
10	थीसिस / प्रोजेक्ट रिर्पोट	71	49.9%	6	35.2%	11	44.0%	88	47.8%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

ग्रंथालय उपयोग आवृति

तलिका क्र. १.४ तथा चित्र क्र. १.४ में स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार ग्रंथालय उपयोग करने की आवृति को तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि वर्ग अनुसार सर्वाधिक ८०% प्रोफेसर प्रतिदिन, ६५% सह. प्रोफेसर प्रतिदिन, ५८% सहायक प्रोफेसर प्रतिदिन ग्रंथालय का उपयोग करते हैं। सर्वाधिक सहायक प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर २३% साप्ताहिक और प्रोफेसर १६% साप्ताहिक पुस्तकालयो का उपयोग करते हैं। सहायक प्रोफेसर और सह. प्रोफेसर वर्ग के ग्रंथालय संसाधनों, सेवाओं के उपयोग करने की प्रवृत्ति प्रोफेसर कि तुलना में कम है। प्रोफेसर ९६% प्रतिदिन, साप्ताहित उपयोग करते हैं जबकि ८१% सहायक प्रोफेसर प्रतिदिन, साप्ताहिक ८८% सह. प्रोफेसर प्रतिदिन, साप्ताहिक ग्रंथालय उपयोग करते हैं।

कुल १८४ उपयोगताओं में से ६४.४% प्रतिदिन, २२% साप्ताहिक, १०% सप्ताह में दो बार, १% एवं ५.४% कभी—कभी ग्रंथालयीन संसाधनों का उपयोग अपनी आवश्यकतानुसार करते हैं।

उक्त अध्ययनो एवं तालिका के तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट है कि स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक ग्रंथालय उपयोग में समानता दिखाई देती है तथा सहायक प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर एवं प्रोफसर प्रतिदिन और साप्ताहिक ग्रंथालय का उपयोग ज्यादा करते है।

तालिका क्रमांक १.४ ग्रंथालय उपयोग आवृति

स.क्र.	उपयोग आवृत्ति	सहायक प्रोफेसर	%	सह प्रोफेसर	%	प्रोफेसर	%	योग	%
1	प्रतिदिन	82	58%	11	65%	20	80%	113	61%
2	साप्ताहिक	33	23%	4	23%	4	16%	41	22%
3	सप्ताह में दो बार	17	12%	1	6%	-	-	18	10%
4	पाक्षिक	1	0.7%	1	6%	-	-	2	1%
5	कभी—कभी	9	6.3%	-	-	1	4%	10	5%
	योग	142	100%	17	100%	25	100%	184	100%

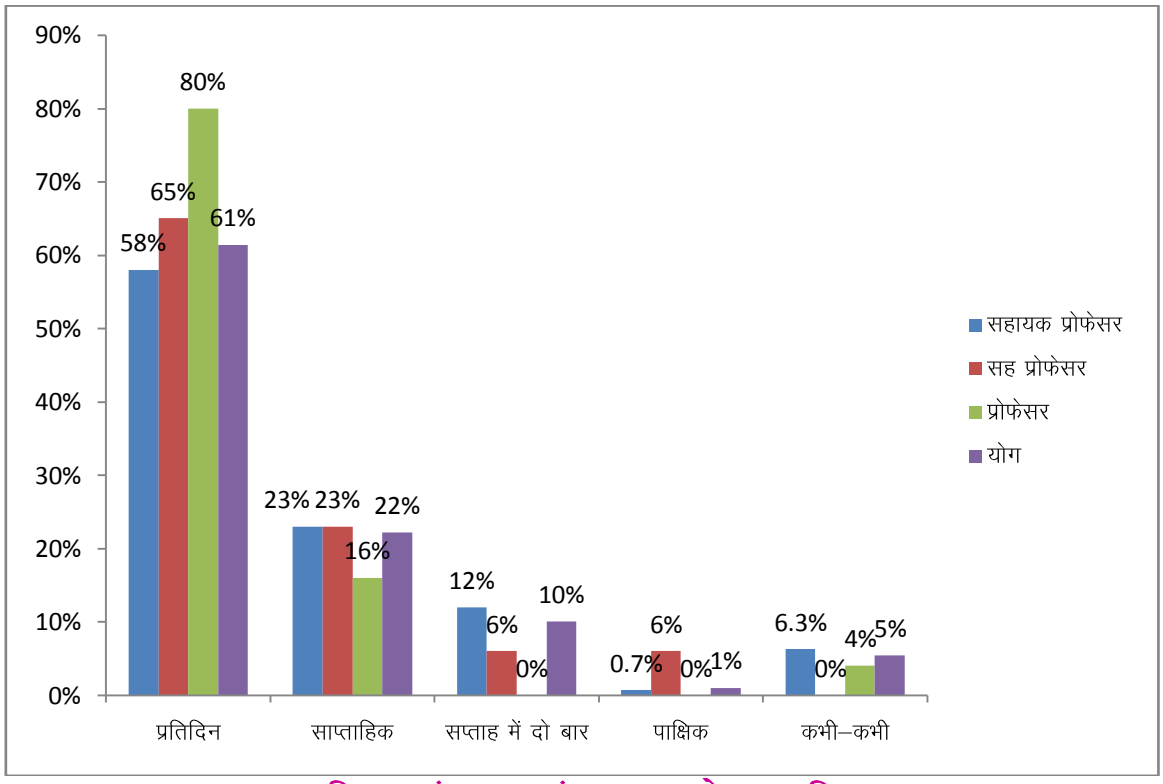

चित्र क्रमांक १.४ ग्रंथालय उपयोग आवृति

ग्रंथालय प्रदत्त सेवाओ का उपयोग

ग्रंथालय स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों के लिये उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विभिन्न प्रकार की सेवाओं का आयोजन करता है। इन सेवाओं की उपयोगिता तथा प्रभावशील को उत्तरदाताओं द्वारा प्रश्नावली के द्वारा प्राप्त तथ्यो के परिप्रेक्ष्य में जानने का प्रयास किया गया है।

तालिका क्र. १.५ से प्राप्त तथ्यो को वर्गीकृत एवं व्यवस्थित कर दर्शाया गया है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि ग्रंथालय द्वारा प्रदत्त परिसंचरण सेवा, संदर्भ सेवा सर्वाधिक ८९.९% उपयोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार उपयोग करते हैं जबकि तकनीकि समाचार कतरन, सी.ए.एस., यूजर ओरियनटेशन आदि सेवाओं ८३.६%, ८२%, ७७.७%, ८७.७%, एवं ७९.१% उपयोक्ता उपयोग करते हैं। जबकि प्राफेसर संवर्ग के उपयोक्ताओ में सर्वाधिक ९६: सर्कुलेशन, ९६% रिफरेंस सर्विसस, ८८% सी.ए.एस., ८४% सूचना डिस्प्ले बोर्ड आदि सेवाओं का उपयोग करते हैं।

उक्त तालिका के तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट है कि स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षको को ग्रंथालय द्वारा प्रदत्त सेवाओ के उपयोग की प्रवृत्ति लगभग समान है।

तालिका क्रमांक १.५ ग्रंथालय प्रदत्त सेवाओं का उपयोग

स.क्र.	प्रदत्त सेवाऐं	सहायक प्रोफेसर (१४२)	%	सह प्रोफेसर (१७)	%	प्रोफेसर (२५)	%	योग (१८४)	%
1	परिसंचरण सेवा	128	90.1%	13	76.7%	24	96.0%	165	89.6%
2	संदर्भ सेवा	126	88.7%	15	88.2%	24	96.0%	130	89.6%
3	फोटो कॉपी सेवा	107	75.3%	5	29.4%	18	72.0%	140	70.6%
4	कंटेट पेज सेवा	109	76.7%	11	64.7%	20	80.0%	130	76.0%
5	ओपेक सेवा	104	73.2%	7	41.1%	19	76.0%	141	70.0%
6	सूचना डिस्प्ले बोर्ड	111	78.1%	9	52.9%	21	84.0%	121	76.6%
7	इंटर लाईब्रेरी लोन	98	96.0%	6	35.2%	17	68.0%	154	65.7%
8	समाचार कतरन	120	84.5%	12	70.5%	22	88.0%	151	83.6%
9	सी.ए.एस.	118	83.0%	11	64.7%	22	88.0%	122	82.0%
10	एस.डी.आई.	105	73.9%	5	29.4%	12	48.0%	134	66.3%
11	पावर बेकव	105	73.9%	9	52.9%	20	80.0%	143	72.8%
12	टेक्नीकल इंक्यारी	111	78.1%	11	64.7%	21	84.0%	143	77.7%
13	उपयोक्ता उन्नमुखीकरण	111	78.1%	11	64.7%	21	84.0%	143	77.7%
14	सारंशी अनुक्रमाणीकरण	112	78.8%	11	64.7%	19	76.0%	142	77.1%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

ग्रंथालय उपयोग के उद्देश्य

स्नातकोत्तकर नर्सिंग महाविद्यालयों के विविध उपयोक्ताओं द्वारा ग्रंथालय उपयोग करने संबंधी विभिन्न उद्देश्यों को प्रश्नावली के माध्यम से जानने का प्रयास किया गया है। प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त तथ्यो को तालिका क्र. **१.६** से व्यवस्थित कर दर्शाया गया है तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल मिलाकर ७२.२% उपयोक्ता ग्रंथ देखना ढूँढना, ५१% नवागत साहित्य देखना, ४१.८% माइक्रोफिल्म, फोटोग्राफ देखना, ३००९: कम्प्यूटर उपयोग आदि प्राप्त करने के उद्देश्य सं ग्रंथालय संसाधनों का उपयोग करते हैं। तालिका से यह भी स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर क्रमश: ७२%, ७०.५%, ७२.५% ग्रंथ देखना ढूंढना हेतु ग्रंथालयो का अधिकाधिक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार कम्प्यूटर उपयोग में सर्वाधिक ३३.५% सहायक प्रोफेसर ग्रंथालय उपयोग करते हैं जबकि प्रोफेसर और सह. प्रोफेसर क्रमश: २४%, १७.६% कम उपयोग करते हैं तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रंथालय में सहायक प्रोफेसर कम्प्यूटर का उपयोग अधिक करते हैं, प्रोफेसर, सह. प्रोफेसर व्यस्तता के कारण उपयोग नहीं कर पाते होगे। फोटोकॉपी में सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर समान रूप से दिखाई देते हैं। जबकि सहायक प्रोफेसर का कम रूझान रहता है इसी प्रकार नवागत साहित्य के देखने में सहायक प्रोफेसर अधिक इच्छुक रहते हैं जबकि सह. प्रोफेसर और प्रोफेसर समान रूप से उपयोग करते है। जबकि सहायक प्रोफेसर अपने विषय क्षेत्र के अधिकतम सूचनायें प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

तालिका क्रमांक १.६ ग्रंथालय उपयोग के उद्देश्य

सं. क्र.	ग्रंथालय के उपयोग के उद्धेश्य	सहायक प्रोफेसर (१४२)	%	सह प्रोफेसर (१७)	%	प्रोफसेर (२५)	%	योग (१८४)	%
1	अन्य साहित्य (नक्शा, माईक्रोफिल्म, फोटो ग्राफ देखना	57	40.1%	8	47.0%	12	48%	77	41.8%
2	ग्रंथ देखना/ढूँढना	103	72.0%	12	70.5%	18	72%	133	72.2%
3	कम्प्यूटर उपयोग	48	33.8%	3	17.6%	6	24%	57	30.9%
4	मुद्रित सामग्री प्राप्त करना	30	21.1%	1	5.8%	4	16%	35	19.0%
5	ग्रंथालय स्टाफ से सम्पर्क	27	19.1%	9	52.9%	5	20%	41	22.2%
6	फोटो कॉपी	35	24.6%	1	5.8%	6	24%	42	22.8%
7	नवांगत साहित्य देखना	74	52.1%	8	47.0%	12	48%	94	51.0%
8	निदानियो द्वारा देखना	39	27.4%	6	35.2%	10	40%	55	29.8%
9	समूह में कार्य करना	21	14.7%	2	11.7%	3	12%	26	14.0%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

उपयोक्ता द्वारा ग्रंथालय उपयोग समय

तालिका क्र. १.७ चित्र क्रमांक १.७ में स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों द्वारा सूचना खोजने एकत्रीकरण करने एवं पठनपाठन में व्यतीत की गई समयावधि को दर्शाया गया है। तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि कुल उपयोक्ताओं में सर्वाधिक ९०.७% सूचना खोजने, ९०.२% सूचना एकत्रीकरण, ८८% पठन पाठन में समय लगाते है। इसी प्रकार सर्वाधिक ६१.४% एवं ५६.५% उपयोक्ता ०४ घण्टे, ४२.३% पठन पाठन, २८.८% पठन पाठन, ५ से ९ घण्टे एवं २१.१% सूचना एकत्रित करना १५.७% सूचन खोजने ग्रंथालय में व्यतीत करते है। २० से अधिक ५.४ % पठन पाठन, के पूर्ति हेतु ग्रंथालय में समय व्यतीत करते है। अत: यह संक्षेप में कहा जा सकता है। कि नर्सिंग शिक्षक प्राय: वांछित सूचनाऐं खोज कर उन्हें एकत्रित कर पठन पाठन की अपेक्षा अधिक समय व्यतीत करते है।

तालिका क्रमांक १.७ उपयोक्ता द्वारा ग्रंथालय उपयोग समय

सं. क्र.	गतिविधि	४ घण्टे तक	%	५ से ९ घण्टे	%	१० से १९ घण्टे	%	२० से अधिक घण्टे	%	योग	%
1	सूचना खोज	113	61.4%	29	15.7%	19	10.3%	6	32.0%	167	90.7%
2	सूचना एकत्रीकरण	104	56.5%	39	21.1%	15	8.1%	8	4.3%	166	90.2%
3	पठन पाठन	78	42.3%	53	28.85	21	11.4%	10	5.4%	162	88.0%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

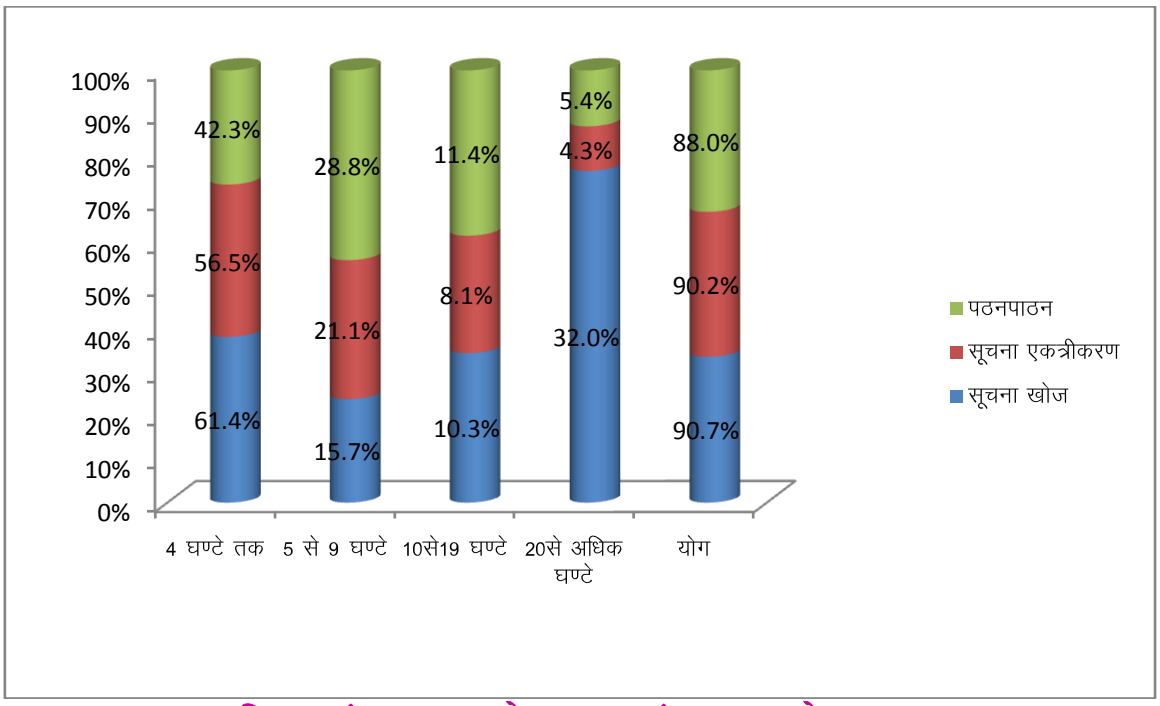

चित्र क्रमांक १.७ उपयोक्ता द्वारा ग्रंथालय उपयोग समय

प्रलेख प्राप्ति के स्त्रोत

स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों से प्राप्त प्रलेख प्राप्ति के स्त्रोत संबंधी तथ्यो को तालिका क्र. १.८ में वर्गीकृत एवं व्यवस्थित कर दर्शाया गया है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि समस्त उत्तरदाताओ में से ६६.३% ग्रंथ/जर्नल्स के संदर्भ में, ९% अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, ७% ग्रंथालय प्रसूची एवं यूजीसी इंफोनेट कंसोर्टियम, ५.९% सारंशीकरण जर्नल्स आदि वांछित प्रलेख प्राप्ति के स्त्रोत संबंधी तालिका में देखा जा सकता है। जहां प्रत्येक संवर्ग में प्रलेख प्राप्ति के स्त्रोत तथ्य कम या ज्यादा या एक जैसे प्राप्त होते हैं सहायक प्रोफेसर संवर्ग के उपभोक्ताओं में ६४% ग्रंथ/जर्नल्स के संदर्भ, ७.७% अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, सारांशीकरण जर्नल्स, ग्रंथालय प्रसूची तीनो समान हैं, ६.३% यूजीसी इंफोनेट कंसोर्टियम, ६% पुस्तक समीक्षा और ०.७% ग्रंथालय निर्मित ग्रंथ सूची को प्रलेख प्राप्ति हेतु स्त्रोतों के रूप में चयनित करते हैं।

सह. प्रोफेसर उपयोक्ताओं में प्रलेख प्राप्ति हेतु क्रमवार ५९% ग्रंथ जर्नल्स के संदर्भ, ११.७ % अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, ग्रंथालय प्रसूची, १७.६% यूजीसी इंफोनेट कंसोर्टियम स्त्रोतो पर निर्भर रहते हैं। वह सारांशीकरण जर्नल्स पुस्तक समीक्षा ग्रंथालय निर्मित ग्रंथ सूची स्त्रोतों पर निर्भर नहीं रहते हैं।

जबकि प्रोफेसर संवर्ग ८४% ग्रंथ/जर्नल्स के संदर्भ, १२% अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, ४% यूजीसी इंफोनेट कंसोर्टियम स्त्रोतों पर निर्भर रहते हैं। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सहा. प्रोफसर ग्रंथ जर्नल्स के संदर्भ, अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, सारांशीकरण जर्नल्स, ग्रंथालय प्रसूची, यूजीसी इंफोनेट कंसोर्टियम, पुस्तक समीक्षा, ग्रंथालय निर्मित ग्रंथ सूची पर उपलब्ध स्त्रोतो पर ज्यादा आश्रित रहते हैं और प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर सारांशीकरण जर्नल्स पुस्तक समीक्षा, ग्रंथालय निर्मित ग्रंथसूची पर उपलब्ध स्त्रोतों पर ज्यादा आश्रित नहीं रहते हैं।

तालिका क्रमांक १.८ प्रलेख प्राप्ति के स्त्रोत

सं. क्र.	स्त्रोत	सहायक प्रोफेसर	%	सह प्रोफेसर	%	प्रोफसेर	%	योग	%
1	ग्रंथ / जर्नल्स के सन्दर्भ	91	64.0%	10	59.0%	21	84.0%	122	66.3%
2	अनुक्रमाणिकरण जर्नल्स	11	7.7%	2	11.7%	3	12.0%	16	9.0%
3	सारांशीकरण जर्नल्स	11	7.7%	-	-	-	-	11	5.9%
4	ग्रंथालय प्रसूची	11	7.7%	2	11.7%	-	-	13	7.0%
5	यूजीसी इन्फोनेट कंसोर्टियम	9	6.3%	3	17.6%	1	4.0%	13	7.0%
6	पुस्तक समीक्षा	8	6.0%	-	-	-	-	8	4.3%
7	ग्रंथालय निर्मित ग्रंथसूची	1	0.7%	-	-	-	-	1	0.5%
		142	100%	17	100%	25	100%	184	100%

कम्प्यूटर उपयोग

स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ग्रंथालयों में नर्सिंग शिक्षकों द्वारा कम्प्यूटर का उपयोग अध्ययन/अध्यापन हेतु उपयोग किया जाता है स्नातकोत्तर नर्सिंग महाविद्यालय, ग्रंथालय उपयोक्ता समुदाय अपनी सुविधानुसार कम्प्यूटर का उपयोग विभागीय कम्प्यूटर, कम्प्यूटर लैब, साइबर कैफे एवं निज निवास आदि स्थलो पर करते हैं। इस संबंध में उत्तरदाताओ से प्राप्त तथ्यों को व्यवस्थित कर तालिका क्र. **१.९** तथा चित्र क्र. **१.९** में दर्शाया गया है तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक नर्सिंग शिक्षक ६३% विभागीय कम्प्यूटर, ६२.२% कम्प्यूटर लैब, ६०.३% केन्द्रीय ग्रंथालय एवं ३८% साइबर कैफे, निज निवास आदि सुविधाओ का उपयोग करते हैं । सर्वाधिक प्रतिदिन कम्प्यूटर उपयोग करने वाले उपयोक्ताओ में २५.५% विभागिय कम्प्यूटर, १६.३% कम्प्यूटर लैब, १४.१% केन्द्रीय ग्रंथालय एवं २०.६% साइबर कैफे, निजी निवास आदि सुविधाओ का उपयोग करते हैं। साप्ताहित कंम्प्यूटर उपयोग करने वाले उपयोक्ताओ के २२.२% कंम्प्यूटर लैब, १९.५% विभागिय कम्प्यूटर, १४.६% केन्द्रीय ग्रंथालय एवं १२.४% अन्य स्थान पर उपयोग करते हैं। तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि साप्ताहित, मासिक, प्राय: कम कि तुलना में प्रतिदिन कम्प्यूटर उपयोग संबंधी प्रवृति अधिक है। इससे तथ्य सामने आते हैं कि स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षको ने कंम्प्यूटर उपयोग संबंधी प्रवृति अधिक पाई जाती है।

तालिका क्रमांक १.९ कम्प्यूटर उपयोग

सं. क्र.	स्थान	प्राय: कम	%	मासिक	%	साप्ताहिक	%	प्रतिदिन	%	योग	%
1	विभागीय कम्प्यूटर	24	13.0%	9	4.8%	36	19.5%	47	25.5%	116	63.0%
2	कम्प्यूटर लेब	20	10.8%	24	13.0%	41	22.2%	30	16.3%	115	62.4%
3	केन्द्रीय ग्रंथालय	32	17.3%	27	14.6%	26	14.1%	26	14.1%	111	60.3%
4	अन्य	7	3.8%	2	1.0%	23	12.4%	38	20.6%	70	38.0%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

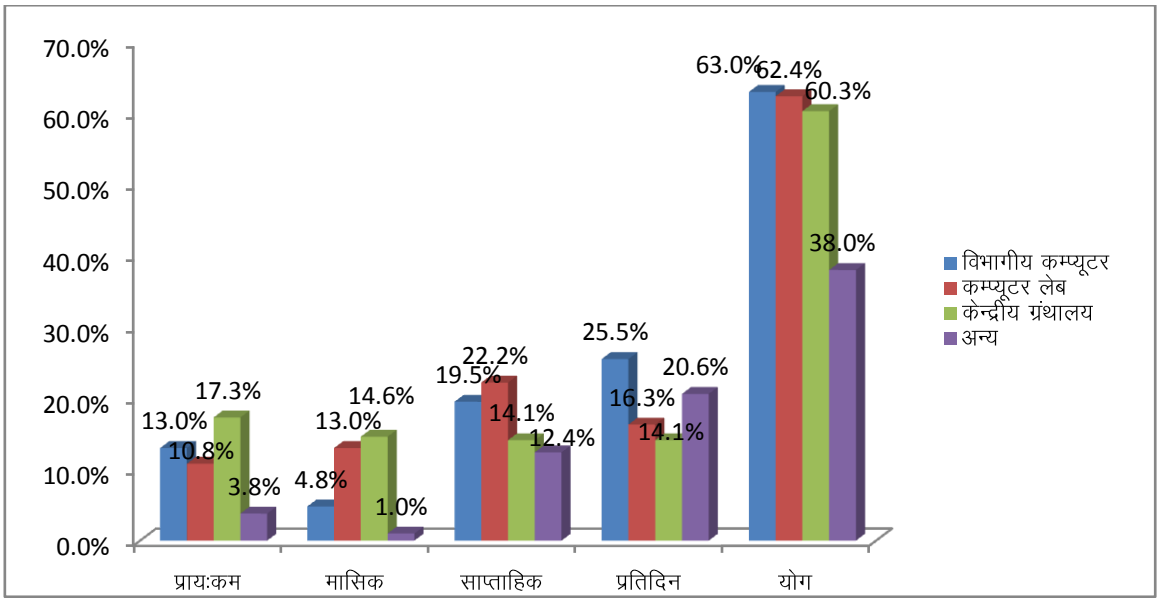

चित्र क्रमांक १.९ कम्प्यूटर उपयोग

सूचना प्राप्त समस्याएँ

ग्रंथालीन उपयोगकर्ताओं द्वारा सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया में बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह समस्याएँ प्राय: कम्प्यूटर साक्षरता, तकनीकी, प्रणालीगत दोष, खोज विधि, के कारण उभरकर सामने आती है। तालिका क्र. **१.१०** चित्र क्रमांक **१.१०** के उत्तरदाताओं से प्राप्त तथ्यो को सूचना प्राप्त समस्याएँ को वर्गीकृत कर दर्शाया गया है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि समस्त उपयोक्तओं में से ४८.९% समय की कमी २०.१% स्वचालन की कमी १८.४% स्टाप का असहयोग, १७.३% विशिष्ट सेवाओं की कमी आदि को सूचना प्राप्त अन्तर्गत आने वाली समस्याऐं माना है। अध्ययन के अन्तर्गत सम्मिलित सभी उपयोक्ता संवर्ग में अंशत: कम अथवा अधिक मात्रा में दिखाई देती है।

तालिका क्रमांक १.१० सूचना प्राप्त समस्याएँ

सं. क्र.	समस्याऐं	सहायक प्रोफेसर (१४२)	%	सह प्रोफेसर (१७)	%	प्रोफेसर (२५)	%	योग (१८४)	%
1	स्वचालन की कमी	23	16.1%	3	17.6%	11	44%	37	20.1%
2	समय की कमी	67	47.1%	11	64.0%	12	48%	90	48.9%
3	सूचना स्त्रोतों से अनविज्ञता	22	15.4%	2	11.7%	2	8%	26	14.1%
4	विशिष्ट सेवाओ की कमी	22	15.4%	3	17.6%	4	16%	29	15.7%
5	स्टाफ का असहयोग	21	14.7%	1	5.8%	4	16%	26	14.1%
6	विशिष्ट ग्रंथालय सेवाओ का न होना	27	19.0%	3	17.6%	4	16%	34	18.4%
7	अपर्याप्त स्टाफ	27	19.0%	2	11.7%	3	12%	32	17.3%
8	अधोसरंचनात्मक की कमी	6	4.2%	2	11.7%	5	20%	13	7.0%
9	प्रसूची का उपयोग नहीं होना	7	4.9%	1	5.8%	1	4%	9	4.8%
10	कम्प्यूटर साक्षरता में	16	11.2%	2	11.7%	4	16%	22	11.9%

नोट : बहुविकल्पीय प्रश्न

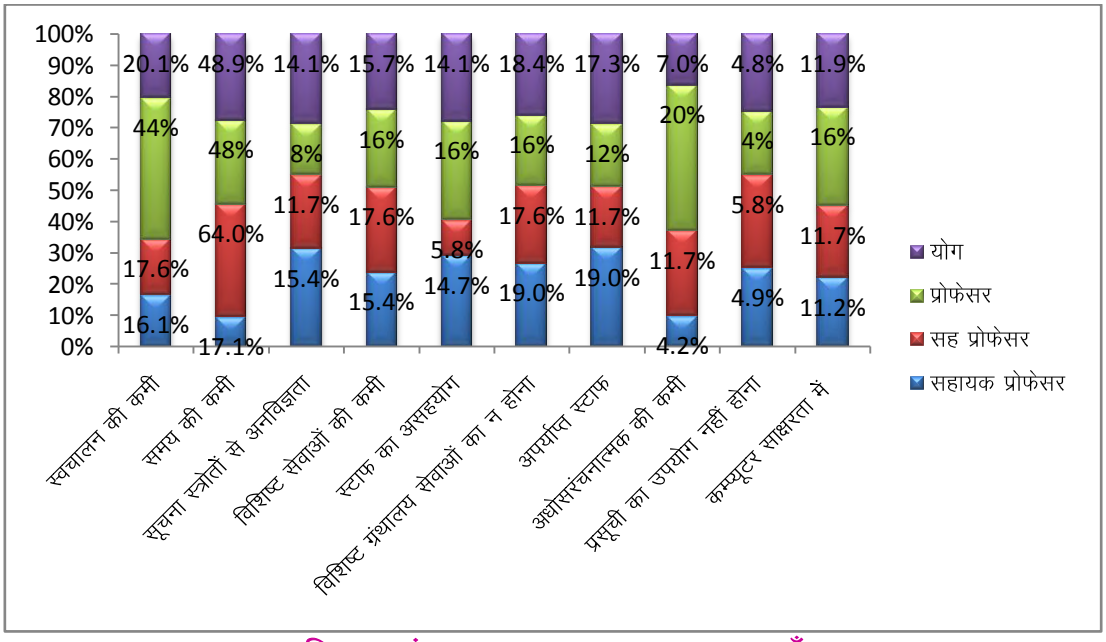

चित्र क्रमांक १.१० सूचना प्राप्त समस्याएँ

ग्रंथालयीन स्टाफ व्यवहार

तालिका क्रमांक **१.११** चित्र क्रमांक **१.११** में ग्रंथालय में कार्यरत स्टाफ के व्यवहार के बारे में उपयोक्ताओं की राय को खराब, अच्छा, बहुत अच्छा एवं कोई विचार नहीं के परिपेक्ष्य में जानने का प्रयास को वर्गीकृत कर एवं व्यवस्थित कर तालिका में दर्शाया गया है। समस्त उपयोक्ताओं में से ४७% अच्छा, ३८% बहुत अच्छा, ९% खराब एवं ६% कोई विचार नहीं ग्रंथालय स्टाफ के व्यवहार के बारे में बताया गया है। प्रोफेसर में सर्वाधिक ५२% अच्छा, ३२% बहुत अच्छा एवं १६% खराब है। सह प्रोफेसर, प्रोफेसर कोई विचार नहीं पर एक ही राय व्यक्त करते है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है। समस्त ग्रंथालीन स्टाफ उपयोक्ताओं के प्रति व्यवहार अच्छा है।

तालिका क्रमांक १.११ ग्रंथालयीन स्टाफ व्यवहार

सं. क्र.	ग्रंथालय के उपयोग के उद्धेश्य	सहायक प्रोफेसर	%	सह प्रोफेसर	%	प्रोफेसेर	%	योग	%
1	खराब	10	7%	2	12%	4	16%	16	9%
2	अच्छा	65	46%	8	47%	13	52%	86	47%
3	बहुत अच्छा	55	39%	7	41%	8	32%	70	38%
4	कोई विचार नहीं	12	8%	-	-	-	-	12	6%
	योग	142	100%	17	100%	25	100%	184	100%

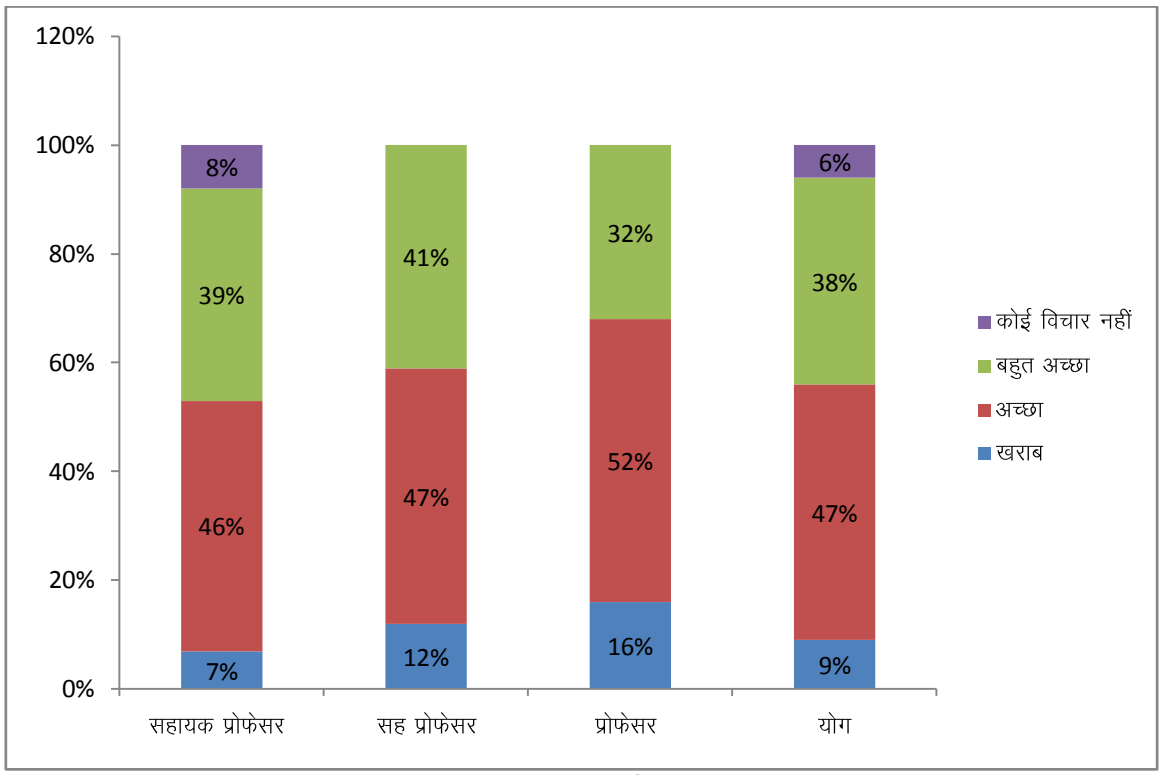

चित्र क्रमांक १.११ ग्रंथालयीन स्टाफ व्यवहार

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में निष्कर्ष के रूप में स्नातकोत्तर महाविद्यालयों के ग्रन्थालयों की प्रोफाईल एवं स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षको की प्रोफाईल और स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षको की सूचना आवश्यकता एवं सूचना प्राप्त करने की प्रवृति निम्नलिखित है।

- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक सूचना अर्जन स्त्रोतों में सर्वाधिक ४०% व्यक्तिगत संग्रह, ३२% विभागीय ग्रंथालय से सूचना अर्जन करते हैं।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक द्वारा ७३.३% समायिक, १८.४% पाठ्यक्रम, ४.८% तत्थ्यात्मक, ३% अवधारणात्मक सूचनाऐं उपयोग की जाती हैं।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों की सूचना की आवश्यता एवं सूचना प्राप्त करने के लिए ८२.६% पाठ्यपुस्तकें, ७६% जर्नल्स, ५९% समाचार पत्र एवं ४७.८% थीसिस/ प्रोजेक्ट रिर्पोट आदि से अधिकांशत: अपनी सूचना खोजते हैं एवं प्राप्त करते हैं।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक ग्रंथालयों का उपयोग ६१.४% प्रतिदिन, २२.२% साप्ताहिक, १०% सप्ताह में दो बार उपयोग करते हैं। प्रोफेसर ग्रंथालयों का उपयोग सहायक प्रोफेसर एवं सह प्रोफेसर की अपेक्षा ज्यादा करते हैं।
- शिक्षकों द्वारा वांछित प्रलेखों को प्राप्त करने हेतु सर्वाधिक ८९.६% परिसंचरण एवं सन्दर्भ सेवा, ८३.६% समाचार कतरन सेवा, ८२% समायिक जागरूता सेवाओ का उपयोग किया जाता हैं। यूजर ओरियन्टेशन, टेक्निीकल इन्क्आरी, इन्फोरमेशन डिस्प्ले बोर्ड, चयनित प्रसार सेवा, ओपेक, कंटेन्ट पेज, आदि सेवाओं का उपयोग ६५% से ७७% तक उपयोग करते हैं।
- ७२.२% शिक्षक ग्रन्थ देखना / ढूँढ़ना, ५१% नवागत साहित्य देखना ४१.८% अन्य साहित्य आदि हेतु ग्रन्थालय का उपयोग करते हैं।
- ९०.७% स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक सूचना खोजने में, ९०.२% सूचना एकत्रीकरण करने, ८८% पठन पाठन में समय व्यतीत करते हैं। सर्वाधिक उपयोक्ता साप्ताहिक ४—२० घण्टे तक सूचना खोजने, सूचना एकत्रित करने एवं पठनपाठन में समय व्यतीत करते हैं।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक प्रलेखो को प्राप्त करने हेतु सर्वाधिक ६६.३: ग्रंथ / जर्नल्स के उद्धत्व सन्दर्भो, ९% अनुक्रमाणीकरण जर्नल्स, ७% ग्रंथालय प्रसूची एवं यूजीसी इन्फोनेट कन्सोर्टियम, ५.९% सारांशीकरण जर्नल्य का अधिकतर उपयोग करते हैं। जबकि पुस्तक समीक्षा, ग्रंथालय निर्मित सूची माध्यमों का कम उपयोग करते हैं।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षक द्वारा सर्वाधिक ६३% विभागीय कम्प्यूटर, ६२.४% कम्प्यूटर लैब, ६०.३% केन्द्रीय ग्रंथालय एवं ३८% अन्य जगह जैसे साइवर कैफे, निवास आदि के द्वारा कम्प्यूटर उपयोग किया जाता है। नर्सिंग शिक्षक प्रतिदिन सर्वाधिक कम्प्यूटर का उपयोग विभागीय, लैब, लाइब्रेरी एवं अन्य जगह में करते है।
- स्नातकोत्तर नर्सिंग शिक्षकों की सूचना खोज समस्याओं के अन्तर्गत ४८.९% समय की कमी, २०% स्वचालन की कमी, १८.४% स्टाफ का असहयोग आदि सम्बन्धी प्रमुख कारण हैं।
- सर्वाधिक ४७% नर्सिंग शिक्षक ग्रंथालयीन स्टाफ के व्यवहार को अच्छा मानते हैं।

REFERENCES

1. Adedibu, L. and Audio, G. (1997), "Information needs and information seeking patterns of medical students at Lautech", Ogbomoso, Aslib Proceedings, 49 (9), pp. 238-242.
2. Anwar, M. A , A1-Ansari, H. and Abdullah, A. (2004), " Information seeking behavior of Kuwaiti Jornalists", Libri, 54 (4),pp.228-236.

3. Anwar, M. A. (2007), "Research on information seeking and use in Pakistan: An assessment Pakistan", Journal of Library and Information Science, pp.15-32.
4. Bhadoria, Naresh. A., Patel, M.C. and Gohel, Alkav. (2014), "Information Seeking Behavior of Library and information science professional in India", International Research Journal of Social Science, 3 (3), pp. 27-35.
5. Case, D. O. (2002), "Looking for information: A survey of research in information seeking, needs and behavior", Amsterdam : Academic Press.
6. Dervin . B. and Nilin, M. (1986), "Information needs and uses", Annual Review of Information Science and Technology, (Vol. 2), pp. 13-33.
7. Hart, R.L. (1993), "The information-gathering behavior of the faculty of a four- year state college", Ph.D. Thesis, University of North Carolina.
8. Heinstrom, Jannica. (2005), "Fast surfing, broad scanning and deep diving: theinfluence of personality and study approach on student's information seeking behavior", Journal of documentation, 61 (2), pp.228-47.
9. Jain, Yogesh. Kumar. (2003), "Impact of IT on information seeking behaviour of teacher in medical college libraries with special reference to M.P. and Chhattisgarh", PhD thesis, Jiwaji University, Gwalior.
10. Jarvelin, K. and Wilson, T.D. (2003), "One conceptual model for information seeking and retrieval research", Information Research, 9(1), p.163.
11. Jeevan, V.K. and Nair, S. S. (2004), "Information technology adoption in libraries of Kerala: A survey of selected libraries in Thiruvananthapuram" Annals of library and information studies, 51 (4), pp.137-144.
12. Kadli, Jayadev. H; and Hanchinal, Veesesh. B. (2015), "Information Seeking Behavior of Law students in the changing digital environmental", DESIDOC Journal of library & information technology, 35 (1), pp. 61-68.
13. Keshav and Savanur, Kiran (2004), "Information needs and Information Seeking Strategies of Agricultural Scientist", 49th ILA Conference Proceedings, New Delhi: Indian Library Association, pp. 153-163.
14. Majid, S.and Kassim, G.M. (2000), "Information- seeking behavior of International Islamic University Malaysia Law Faculty Members", Malaysian Journal of Library & Information Sciences, 5 (2),pp.1-17.
15. Rajput, Roopa (2010), "Impact of Information Technology on Information Seeking Behaviour of Teachers of Selected Medical and Engineering College Libraries of Madhya Pradesh State", Ph.D. Thesis, Bhopal: Madhya Pradesh Bhoj Open University, pp.209-219.
16. Seth, Mahendra Kumar and Parida, Baman (2006), "Information Needs of Scheduled Caste and Scheduled Tribe Communities in Educational System of Orissa: A Case Study", Bulletin of the IASLIC, 51 (04), pp. 242-255.
17. Shahzad, K. (2007), "Information-seeking behavior of Government College University teachers: A survey", Unpublished Master's Thesis, Department of Library and Information Science, University of the Punjab, Lahore.
18. Shokeen, A. and kushik, S.K. (2002), "Information seeking behavior of social scientists of Haryana Universalities", Library Herald, 40(1),pp. 8-11.
19. Singh, Gurdev. (2000), "Information need and pattern of information seeking by jounaists in Delhi", PhD thesis, Delhi University.
20. Singh, K. P., Sharma, N.and Negi, N. (2009), "Availability, use and barriers to ict in the r & d institutions: a case study of the libraries and information centers in Noid", DESIDOC Journal of Library & Information Technology, 29 (6),pp.21-31.
21. Singh, Shankar and Sharma, S.K. (2004), "User's Information needs: A Case study of Power Sector Libraries in India", 49th ILA Conference Proceedings, New Delhi: Indian Library Association, pp. 99-103.
22. Stokes, Peter. J. and Lewin, D. (2003), "Information seeking behaviour of nurses teachers in a school of health studies: a soft system analysis", Nurse Education Toda.

23. Stresar, Theresa. C. (1978), "Information needs of practicing physic sins in North- Eastern, Newyork", State Bulletin of the medical Library association, 66 (03), pp. 200-209.
24. Suriya, M., Sangeetha, G.and Nambi, M.A. (2004), "Information seeking behavior of faculty members from Government Arts Colleges in Cuddalore District", Library and Information Networking, pp.285-292.